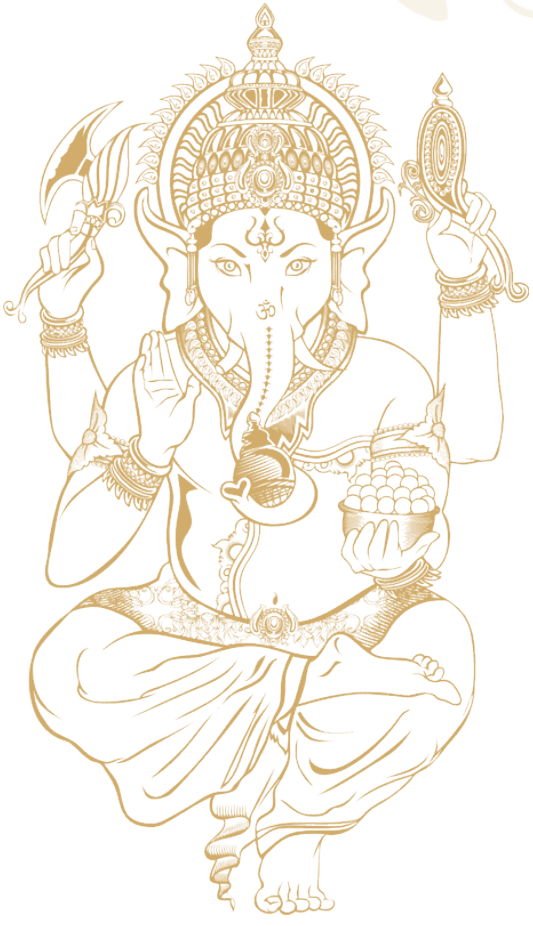

Vivek mani tripathi

31 Jan 1997

10:12 AM

Gorakhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121601204

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**31/01/1997**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**10:12:00 घंटे**
इष्ट	08:43:45 घटी
स्थान	**Gorakhpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:45:00 उत्तर
रेखांश	83:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:15:32 घंटे
वेलान्तर	-00:13:28 घंटे
साम्पातिक काल	18:57:19 घंटे
सूर्योदय	06:42:29 घंटे
सूर्यास्त	17:37:37 घंटे
दिनमान	10:55:08 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	17:31:57 मकर
लग्न के अंश	25:57:25 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	शूल
करण	बव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रे-रेवती
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	25:57:25	487:24:08	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	---
सूर्य			मक	17:31:57	01:00:55	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	10:17:15	12:31:08	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	सम राशि
मंगल			कन्या	11:53:57	00:04:12	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
बुध			धनु	23:55:26	01:15:22	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	सम राशि
गुरु		अ	मक	08:25:46	00:14:03	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	नीच राशि
शुक्र			मक	02:26:19	01:15:09	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
शनि			मीन	09:42:31	00:05:32	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु			कन्या	06:01:40	00:00:41	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	मूलत्रिकोण
केतु			मीन	06:01:40	00:00:41	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	11:11:52	00:03:30	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	---
नेप			मक	04:08:53	00:02:14	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	11:24:11	00:01:14	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
दशम भाव			धनु	19:22:20	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:00

लग्न-चलित

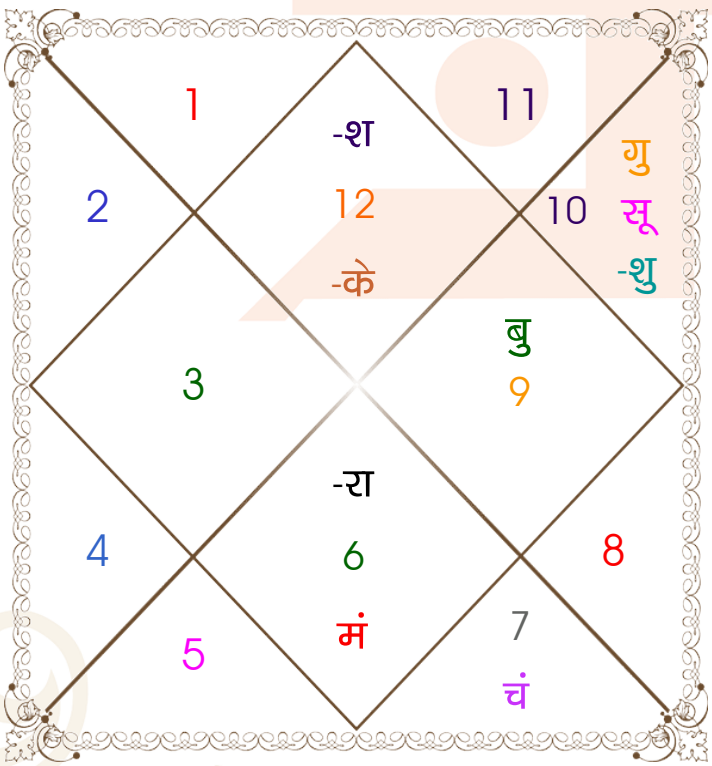

चन्द्र कुंडली

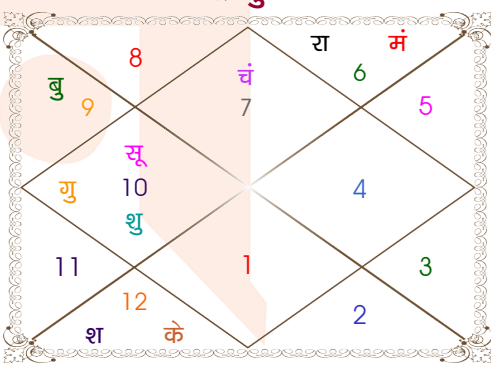

नवमांश कुंडली

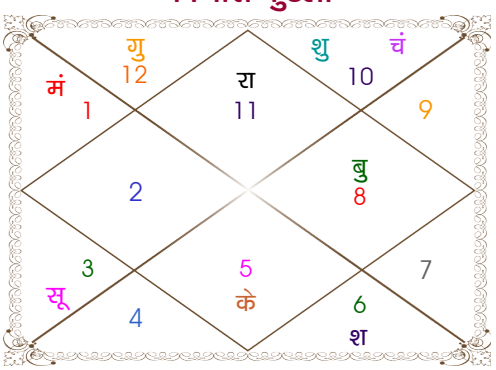

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 13 वर्ष 1 मास 10 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
31/01/1997		13/03/2010		13/03/2026		13/03/2045		13/03/2062	
13/03/2010		13/03/2026		13/03/2045		13/03/2062		13/03/2069	
	31/01/1997	गुरु	30/04/2012	शनि	16/03/2029	बुध	09/08/2047	केतु	09/08/2062
गुरु	18/04/1997	शनि	12/11/2014	बुध	24/11/2031	केतु	06/08/2048	शुक्र	09/10/2063
शनि	23/02/2000	बुध	17/02/2017	केतु	02/01/2033	शुक्र	07/06/2051	सूर्य	14/02/2064
बुध	12/09/2002	केतु	23/01/2018	शुक्र	03/03/2036	सूर्य	12/04/2052	चंद्र	14/09/2064
केतु	30/09/2003	शुक्र	23/09/2020	सूर्य	13/02/2037	चंद्र	11/09/2053	मंगल	10/02/2065
शुक्र	30/09/2006	सूर्य	13/07/2021	चंद्र	15/09/2038	मंगल	09/09/2054	राहु	01/03/2066
सूर्य	25/08/2007	चंद्र	12/11/2022	मंगल	25/10/2039	राहु	28/03/2057	गुरु	05/02/2067
चंद्र	23/02/2009	मंगल	19/10/2023	राहु	31/08/2042	गुरु	04/07/2059	शनि	16/03/2068
मंगल	13/03/2010	राहु	13/03/2026	गुरु	13/03/2045	शनि	13/03/2062	बुध	13/03/2069

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
13/03/2069		13/03/2089		13/03/2095		14/03/2105		14/03/2112	
13/03/2089		13/03/2095		14/03/2105		14/03/2112		00/00/0000	
शुक्र	12/07/2072	सूर्य	30/06/2089	चंद्र	12/01/2096	मंगल	10/08/2105	राहु	25/11/2114
सूर्य	13/07/2073	चंद्र	30/12/2089	मंगल	12/08/2096	राहु	29/08/2106	गुरु	01/02/2117
चंद्र	13/03/2075	मंगल	07/05/2090	राहु	11/02/2098	गुरु	04/08/2107		00/00/0000
मंगल	12/05/2076	राहु	01/04/2091	गुरु	13/06/2099	शनि	12/09/2108		00/00/0000
राहु	13/05/2079	गुरु	18/01/2092	शनि	12/01/2101	बुध	09/09/2109		00/00/0000
गुरु	11/01/2082	शनि	30/12/2092	बुध	13/06/2102	केतु	06/02/2110		00/00/0000
शनि	13/03/2085	बुध	05/11/2093	केतु	12/01/2103	शुक्र	08/04/2111		00/00/0000
बुध	12/01/2088	केतु	13/03/2094	शुक्र	12/09/2104	सूर्य	14/08/2111		00/00/0000
केतु	13/03/2089	शुक्र	13/03/2095	सूर्य	14/03/2105	चंद्र	14/03/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 13 वर्ष 0 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस काल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आप द्विस्वभात्मक छवि के विद्वेष युक्त होते हुए भी धन एवं प्रसन्नता से युक्त आनंदप्रद जीवन व्यतीत करेंगे।

आप वास्तव में मीन राशीय द्विस्वभावत्मक प्रवृति के जातीय गुणों से युक्त हो। आप असंगतपूर्ण बातें सोचते हो। जिस प्रकार उदाहरण स्वरूप आप जब जन सामान्य व्यक्ति के साथ व्यवहार में बहादुरी एवं आक्रमणशील प्रवृति से उपस्थित होते हो, परंतु घर के मामले में बुद्धिहीनता से नहीं बल्कि बुद्धिमत्ता पूर्वक संकोची स्वभाव से पत्नी के समक्ष जाते हो क्योंकि यह संभव लगता है कि आप पत्नी के सेवक हो। इस प्रकार आप अपने व्यवसाय अथवा कार्य स्थल पर समय से पहुंच जाते हो। आप इस मामले में अत्यंत विश्वसनीय पात्र हैं। आप अपने अनुकूल विषयक बातों के लिए किसी के सामने झुकने वाले नहीं है।

आप व्यक्तिगत रूप से अपने अभिभावक एवं अन्य लोगो की दृष्टि में एक सक्षम कार्यकर्त्ता, आदरणीय, धार्मिक नेता, उदार एवं सहानुभूति करने वाले प्राणी हैं। ऐसा अनुभव करते है। आप अपने जीवन भर आनंदपूर्वक बिताएंगे एवं अत्यधिक धन संग्रह कर सकते हैं। आपका विचार यह रहता है कि किस प्रकार वासनात्मक जीवन व्यतीत किया जाए। आप संतुलित ढंग से समय पर अपनी समर्पित जीवन संगिनी के समक्ष प्रदर्शन करेंगे। परंतु आपका गुप्त रूप से प्रेम प्रसंग में अन्य के प्रति झुकाव हो। यदि आप नारी के प्रति विरोधात्मक रूख आपनाएंगे तो आपका घरेलू वातावरण दूषित हो सकता है। आप यदि अपनी लोलुपता को रोक दें तो आपके समक्ष किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होगी।

इस प्रकार आप अत्यंत व्यवहार कुशल प्रवृति के व्यक्ति हो तथा अपने जीवन में सफल होंगे। इसी प्रकार आप दिवा स्वप्न देखते रहें कि प्रत्येक बार सुख ही सुख प्राप्त हो तो वास्तविकता आप से लुप्त हो जाएगी। आपके लिए आवश्यक है कि नीची विचार धारा से भूमि पर अवतरित हो कर, अपने हस्ताक्षरित कार्य के संपादन हेतु कठिन श्रम एवं समर्पण की भावना से युक्त हो कर कार्य संपादन करें तो निश्चित रूप से आपके हित में लाभदायक प्रमाणित होगा।

आप इस प्रकार अन्य लोगों की प्रतिज्ञा एवं विशेषता पर आश्रित रहना छोड़ दे, क्योंकि प्रायः लोग किसी प्रकार की वचन बद्धता को मात्र कागजी समझते हैं। आपको अपने कार्य व्यवसाय के लिए बाहरी सहयोग के उपर आश्रित रहने के बजाय अपना कार्य अपने हाथों से संपादन करना चाहिए।

आप उच्चकोटि के धार्मिक व्यक्ति हैं। आप आदर्श स्वरूप अपने विचारों के अनुरूप यह चिंतन करें कि धर्म दर्शन को किस प्रकार ग्रहण किया जाए। वैसे मीन राशीय प्रवृति के व्यक्ति को बुनियादी तौर पर पराज्ञान एवं प्राचीन विस्तृत वस्तुओं का अन्वेषण कर यह शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए एवं आशावान बन कर अंत में पुर्नजन्म न हो। इसके लिए शिक्षा ग्रहण

करनी चाहिए। धार्मिक व्यक्ति सुगमता पूर्वक स्वतः अभ्यास कर सांसारिक सुखों के विषय में अच्छी प्रकार अपनी उपस्थिति अंकित कराते हैं।

प्रत्येक प्राणी कुछ रोगादि अथवा अन्य रोगादि के प्रति सशंकित रहते हैं अथवा रोग ग्रस्त होने से आशंकित रहते हैं। अतः आप भी वर्षों बाद स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से संबंधित हो सकते है तथा आप कर्ण रोग और आंत्र विकृति से प्रभावित हो सकते हैं। यदि आप रोग के आक्रमण के पूर्व ही सतर्कता बरतें एवं अपने चिकित्सक से विचार विमर्श करें तो आप अंत में कठिन रोग को कम कर सकते हैं। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो जैसा सब के साथ होता है वैसी शारीरिक समस्या आपके साथ भी उत्पन्न हो सकती है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के अन्य बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार ये तीनों दिन आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक सर्वथा अनुकूल एवं उत्तम भाग्यशाली है, परंतु अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल है।

आप नीले रंग का व्यवहार कदापि नहीं करे। आपके लिए मात्र लाल, गुलाबी, नारंगी एवं हरा रंग अनुकूल उत्तम एवं मनभावन है।